चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हरि: भूमि........

दिनांक 18 : 10 : 2020 पृष्ठ संख्या 11 कॉलम 2-8

हरिभूमि
हिसार-फतेहाबाद-सिरसा भूमि
रोहतक, रविवार 18 अक्टूबर 2020

डिस्पले बोर्ड से मिलेगी मौसम पूवार्नुमान की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेट नम्बर चार से गुजरने वाले व विश्वविद्यालय में आने वाले किसानों और आम जनता को मौसम पूवार्नुमान की जानकारी डिस्पले के माध्यम से मिल सकेगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग की ओर से वेदर डिस्पले बोर्ड लगाया है। इस बोर्ड को उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों के हित के लिए तत्पर है। इसी दिशा में किसानों व आमजन को मौसम पूवार्नुमान की जानकारी डिस्पले के माध्यम से मुहैया करवाना भी सार्थक कदम है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे विवि से जुड़कर यहां की नई तकनीकों व विभिन्न फसलों व सब्जियों की किस्मों का लाभ उठाएं।

विभिन्न माध्यमों किसानों तक पहुंचा रहा है जानकारी: विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ मदन खीचड़ ने बताया कि इस वेदर डिस्पले पैनल से विश्वविद्यालय के आसपास रहने वाले स्थानीय निवासी, विश्वविद्यालय में आने जाने वाले किसान व यहां से गुजरने वाली आम जनता को मौसम व कृषि से संबंधित नवीनतम जानकारी मिल सकेंगी और वे इनका उपयोग अपने रोजाना के कृषि व घरेलू कार्यों में कर सकेंगे। विभाग प्रदेश के लाखों किसानों तक मौसम पूवार्नुमान तथा कृषि सलाह विभिन्न माध्यमों से पहुंचा रहा है, जिनमें मुख्य रूप से मोबाइल एसएमएस सेवा, मोबाइल एप्प ईमौसम एचएयू, फेसबुक पेज, व्हट्सअप व ट्विटर शामिल हैं। अब इस कड़ी में एक और वेदर डिस्पले बोर्ड जुड़ गया है जहां आम जनता नवीनतम मौसम व खेती से संबंधित जानकारी देख पाएगी। कार्यक्रम में कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा समेत अधिकारी तथा कर्मचारी थे।

एचएयू के गेट नंबर चार पर लगा डिस्पले

हिसार। विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 पर लगे डिस्पले बोर्ड का उद्घाटन करते कुलपति व साथ मे हैं अनुसधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत व अन्य।
फोटो: हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 18.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....4-8.....

सुविधा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेट पर लगाई 75 इंच की एलइडी स्क्रीन, दी जाएगी मौसम की सभी जानकारी

एचएयू के गेट नंबर-4 पर मिलेगी मौसम की जानकारी

जागरण संवाददाता, हिसार : राजगढ़ रोड से गुजरने वाले लोगों को अब लगातार मौसम की ताजा जानकारी मिल सकेगी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने गेट संख्या चार पर एलइडी स्क्रीन लगाई है। इस पर लोगों को मौसम मिलता रहेगा।

मौसम विज्ञान का उद्देश्य था कि हर कोई वेबसाइट पर जाकर जानकारी नहीं ले सकता है, ऐसे में अगर एक एलइडी स्क्रीन लगाई जाए तो वहां से गुजरने वाले लोग इसमें रुचि भी लेंगे और मौसम की जीवन में महत्ता समझेंगे। इस डिस्प्ले के जरिए विश्वविद्यालय में होने वाले कार्यक्रमों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इससे पहले ये वेदर डिस्प्ले बोर्ड विश्वविद्यालय में कृषि कॉलेज व कृषि मौसम विज्ञान विभाग में लगाए गए हैं।

कृषि मौसम विज्ञान विभाग की एलइडी स्क्रीन का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. समर सिंह, अनुसंधान निदेशक डा. सहरावत, विभागाध्यक्ष डा. मदन खीचड़ व अन्य। ● एचएयू

यह मिलेगी जानकारी

● पिछले 24 घंटों मौसम के आंकड़े ● आगामी 3 से 4 दिनों तक का मौसम पूर्वानुमान ● बादलों की स्थिति देखने के लिए सेटेलाइट ● कृषि जानकारी से सम्बंधित वीडियो

किसानों तक पहुंचा रहा मौसम की जानकारी

अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने बताया कि इस वेदर डिस्प्ले पैनल से स्थानीय निवासियों और विश्वविद्यालय में आने-जाने वाले किसानों को मौसम व कृषि से संबंधित नवीनतम जानकारी मिलेगी। वह इनका उपयोग अपने रोजाना के कृषि व घरेलू कार्यों में कर सकेंगे। कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन खीचड़ ने बताया कि विभाग प्रदेश के लाखों किसानों तक मौसम पूर्वानुमान व कृषि सलाह विभिन्न माध्यमों से पहुंचा रहा है, जिनमें मुख्य रूप से मोबाइल एसएमएस सेवा, मोबाइल एप ई-मौसम एचएयू, फेसबुक पेज, वाट्सएप व ट्विटर शामिल हैं।

विश्वविद्यालय सदैव किसानों के हित के लिए तत्पर है। इसी दिशा में किसानों व आमजन को मौसम पूर्वानुमान की जानकारी डिस्प्ले के माध्यम से मुहैया करवाना भी एक सार्थक कदम है। किसान विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर यहां की नई तकनीकों व विभिन्न फसलों व सब्जियों की किस्मों का लाभ उठाएं।

प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 18.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....3-8.....

एचएयू : गेट नंबर 4 के डिस्प्ले बोर्ड से मिलेगी मौसम की जानकारी

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के गेट नंबर चार पर डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से मौसम पूर्वानुमान की जानकारी मिल सकेगी।

विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग की ओर से लगाए गए बोर्ड का कुलपति प्रो. समर सिंह ने शनिवार को उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों के हित के लिए तत्पर है। इसी दिशा में किसानों व आमजन को मौसम पूर्वानुमान की जानकारी डिस्प्ले के माध्यम से मुहैया करवाना भी एक सार्थक कदम है।

लोगों को तीन-चार दिन के पूर्वानुमान की मिलेगी जानकारी

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस वेदर डिस्प्ले पैनल से विश्वविद्यालय के आसपास रहने वाले स्थानीय निवासी, विश्वविद्यालय में आने जाने वाले किसान व यहां से गुजरने वाली आम जनता को मौसम व कृषि से संबंधित नवीनतम जानकारी मिल सकेंगी और वे इनका उपयोग अपने रोजाना के कृषि व घरेलू कार्यों में कर सकेंगे। कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खिचड़ ने बताया कि विभाग प्रदेश के लाखों किसानों तक मौसम पूर्वानुमान व कृषि सलाह विभिन्न माध्यमों से पहुंचा रहा है, जिनमें मुख्य रूप से मोबाइल एसएमएस सेवा, मोबाइल एप, ईमौसम एचएयू, फेसबुक पेज, व्हाट्सएप व ट्विटर शामिल हैं। अब इस कड़ी में एक और वेदर डिस्प्ले बोर्ड जुड़ गया है। यह वेदर डिस्प्ले बोर्ड एक 75 इंच एलईडी स्क्रीन है, जहां वर्तमान व पिछले 24 घंटों के मौसम के आंकड़े, आगामी 3 से 4 दिनों तक का मौसम पूर्वानुमान, बादलों की स्थिति देखने के लिए सेटेलाइट, कृषि जानकारी से संबंधित वीडियो, विश्वविद्यालय में होने वाले कार्यक्रमों को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

डिस्प्ले बोर्ड का उद्घाटन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक 18/10/2022........पृष्ठ संख्या........3........कॉलम........4-8........

हकृवि ने की पहल

अब हर रोज मिलेगी मौसम की अपडेट

■ राजगढ़ रोड पर गेट नम्बर 4 पर लगाया डिस्पले बोर्ड

हिसार, 17 अक्तूबर (ब्यूरो): हिसार वासियों को प्रदूषण की तरह अब मौसम की भी हर रोज अपडेट मिलेगी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने इस दिशा में पहल की है। विश्वविद्यालय की तरफ से राजगढ़ रोड पर गेट नम्बर 4 पर डिस्पले बोर्ड लगाया गया है। इस पर विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग की तरफ से हर रोज मौसम की जानकारी अपडेट की जाएगी।

ज्ञात रहे कि प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने फव्वारा चौक पर आई.जी. कार्यालय के बाहर प्रदूषण की जानकारी देने के लिए डिस्पले बोर्ड लगा रखा है। यह वैदर डिस्पले बोर्ड एक 75 इंच एल.ई.डी. स्क्रीन है, जहां वर्तमान व पिछले 24 घण्टों मौसम के आंकड़े, आगामी 3 से 4 दिनों तक का मौसम पूर्वानुमान, बादलों की स्थिति देखने के लिए सैटेलाइट, कृषि जानकारी से सम्बंधित वीडियो, विश्वविद्यालय में होने वाले कार्यक्रमों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इससे पहले ये वैदर डिस्पले बोर्ड विश्वविद्यालय में कृषि कॉलेज व कृषि मौसम विज्ञान विभाग में लगाए गए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति गेट नंबर-4 पर लगे डिस्पले बोर्ड का उद्घाटन करते हुए व साथ हैं अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व अन्य।

विश्वविद्यालय द्वारा लगाए गए डिस्पले बोर्ड को उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस वैदर डिस्पले पैनल से विश्वविद्यालय के आसपास रहने वाले स्थानीय निवासी, विश्वविद्यालय में आने-जाने वाले किसान व यहां से गुजरने वाली आम जनता को मौसम व कृषि से सम्बंधित नवीनतम जानकारी मिल सकेगी और वे इनका उपयोग अपने रोजाना के कृषि व घरेलू कार्यों में कर सकेंगे।

"यहां से गुजरने वाले व विश्वविद्यालय में आने वाले किसानों और आम जनता को मौसम पूर्वामान की जानकारी डिस्पले के माध्यम से मिल सकेगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग की ओर से वैदर डिस्प्ले बोर्ड लगाया है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर यहां की नई तकनीकों व विभिन्न फसलों व सब्जियों की किस्मों का लाभ उठाएं और वैज्ञानिकों से समय-समय पर जानकारी हासिल करते रहें।

-प्रो.समर सिंह, कुलपति हकृवि।

"हकृवि कृषि मौसम विभाग प्रदेश के लाखों किसानों तक मौसम पूर्वानुमान व कृषि सलाह विभिन्न माध्यमों से पहुंचा रहा है, जिनमें मुख्य रूप से मोबाइल एस.एम.एस. सेवा, मोबाइल एप ई-मौसम एच.ए.यू, फेसबुक पेज, व्हाट्सएप व ट्विटर शामिल हैं। अब इस कड़ी में एक और वैदर डिस्पले बोर्ड जुड़ गया है जहां आम जनता नवीनतम मौसम व खेती से संबंधित जानकारी देख पाएगी।

-डॉ. मदन खीचड़, अध्यक्ष, कृषि मौसम विज्ञान विभाग।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक ट्रिब्यून.....

दिनांक 19.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3.5.....

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने लगाई डिसप्ले

अब 24 घंटे मिलेगी मौसम और कृषि से जुड़ी जानकारी

गेट पर लगी स्क्रीन पर किसानों को मिलेगी सूचना

नरेन्द्र ख्यालिया/निस
हिसार, 18 अक्तूबर

किसानों, राहगीरों एवं आमजन को मौसम संबंधी पल-पल की सूचना उपलब्ध करवाने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा नई पहल करते हुए मुख्य द्वार पर डिसप्ले लगाया है, जिससे लोगों को 24 घंटे डिस्पले के माध्यम से मौसम की जानकारी मिलती रहेगी।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने डिस्पले प्रणाली का उद्घाटन किया। चार नंबर गेट पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वेदर डिस्प्ले बोर्ड लगाया है। डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस वेदर डिस्पले पैनल से आम जनता को मौसम व कृषि से संबंधित जानकारी मिलती रहेगी। कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खिचड़ ने बताया कि वेदर डिस्पले बोर्ड एक 75 इंच एलईडी स्क्रीन है जहां वर्तमान व पिछले 24 घण्टों मौसम के आंकड़े, आगामी 3 से 4 दिनों तक का मौसम पूर्वानुमान, बादलों की स्थिति देखने के लिए सेटेलाइट, कृषि जानकारी से सम्बंधित वीडियो को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

हिसार के हकृवि में रविवार को गेट नंबर-4 पर लगाये मौसम डिस्पले बोर्ड की जानकारी लेते कुलपति प्रो. समर सिंह। - निस

क्या कहते हैं कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों के हित के लिए तत्पर है। इसी दिशा में किसानों व आमजन को मौसम पूर्वानुमान की जानकारी डिसप्ले के माध्यम से मुहैया करवाना भी एक सार्थक कदम है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 18.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....6.8.....

एचएयू के गेट नंबर-4 पर डिस्प्ले बोर्ड से मिलेगी मौसम की जानकारी

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किया उद्घाटन

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गेट नंबर चार से गुजरने वाले व विश्वविद्यालय में आने वाले किसानों और लोगों को मौसम पूर्वानुमान की जानकारी डिस्प्ले के माध्यम से मिल सकेगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग की ओर से वेदर डिस्प्ले बोर्ड लगाया है। इस बोर्ड को उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों के हित के लिए तत्पर है। इसी दिशा में किसानों व लोगों को मौसम पूर्वानुमान की जानकारी डिस्प्ले के माध्यम से मुहैया करवाना भी एक सार्थक कदम है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक विश्वविद्यालय के साथ जुडक़र यहां की नई तकनीकों व विभिन्न फसलों व सब्जियों की किस्मों का लाभ उठाएं और वैज्ञानिकों से समय-समय पर जानकारी हासिल करते रहें।

मौसम विभाग किसानों तक पहुंचा रहा जानकारी

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस वेदर डिस्प्ले पैनल से विश्वविद्यालय के आसपास रहने वाले स्थानीय निवासी, विश्वविद्यालय में आने जाने वाले किसान व यहां से गुजरने वाली आम जनता को मौसम व कृषि से सम्बंधित नवीनतम जानकारी मिल सकेंगी और वे इनका उपयोग अपने रोजाना के कृषि व घरेलू कार्यों में कर सकेंगे। कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ मदन खिचड़ ने बताया कि विभाग प्रदेश के लाखों किसानों तक मौसम पूर्वानुमान व कृषि सलाह विभिन्न माध्यमों से पहुंचा रहा है, जिनमें मुख्य रूप से मोबाइल एसएमएस सेवा, मोबाइल एप ईमौसम एचएयू, फेसबुक पेज, व्हाटशप व ट्विटर शामिल हैं। अब इस कड़ी में एक और वेदर डिस्प्ले बोर्ड जुड़ गया है जहां आम जनता नवीनतम मौसम व खेती से संबंधित जानकारी देख पाएगी। यह वेदर डिस्प्ले बोर्ड एक 75 इंच एलईडी स्क्रीन है जहां वर्तमान व पिछले 24 घण्टों मौसम के आंकड़े ,आगामी 3 से 4 दिनों तक का मौसम पूर्वानुमान, बादलों की स्थिति देखने के लिए सेटेलाइट, कृषि जानकारी से सम्बंधित वीडियो, विश्वविद्यालय में होने वाले कार्यक्रमों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इससे पहले ये वेदर डिस्प्ले बोर्ड विश्वविद्यालय में कृषि कॉलेज व कृषि मौसम विज्ञान विभाग में लगाए गए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर, अमर उजाला

दिनांक 19.10.2020....पृष्ठ संख्या.......2, 4.......कॉलम..1-2, 1........

एचएयू में मनाया स्वच्छता पखवाड़ा, फार्म कॉलोनी में प्रो. समर सिंह ने किया पौधरोपण

हिसार | एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी क्षेत्र में पौधरोपण किया। इस अवसर पर डॉ. एस.एस. सिद्धपुरिया, अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. आर.के. झोरड़, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. बलवान सिंह, डॉ. संजय ठकराल, मीडिया सलाहकार डॉ. आरएस ढिल्लो, डॉ. देवेंद्र सिंह मौजूद रहे।

अधिक से अधिक लगाएं पौधे : प्रो. समर

हिसार। पेड़ हमें जीवनदायिनी आक्सीजन प्रदान करते हैं, जो हमारे जीवन का आधार हैं। इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और उनकी देखभाल की भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हमें पेड़ों के महत्व को समझना होगा। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही।

वे विश्वविद्यालय की भू-दृष्य सरंचना इकाई की ओर से मनाए गए स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय की फार्म कॉलोनी में किए गए पौधरोपण के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छ एवं विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना स्वच्छ भारत अभियान के तहत ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित किया जाना बहुत ही सराहनीय कदम है। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**16.10.2020**	——	--

पेड़ जीवन का आधार, अधिक से अधिक लगाएं : प्रोफेसर समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 16 अक्टूबर : पेड़ हमें जीवनदायिनी आक्सीजन प्रदान करते हैं जो हमारे जीवन का आधार हैं। इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और उनकी देखभाल की भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय की भू-दृष्य सरंचना इकाई की ओर से मनाए गए स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी क्षेत्र में किए गए पौधारोपण के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छ एवं विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की महत्वाकांक्षी योजना स्वच्छ भारत अभियान के तहत ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित किया जाना बहुत ही सराहनीय कदम है। छात्र कल्याण निदेशक एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के नियंत्रक अधिकारी डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारियों का स्वागत किया व इस स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़ा को 1 अक्तुबर से 15 अक्तुबर तक आयोजित किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर में व रिहायशी क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके तहत भूमि संरक्षण को ध्यान में रखते हुए रिहायसी क्षेत्र में उगे हुए हानिकारक खरपतवारों की सफाई की गई व लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इसी प्रकार कोरोना महामारी के चलते घर पर रहने, मास्क पहनने, सामाजिक दूरी का अनुपालन करने, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जाने से परहेज एवं अन्य सुरक्षा निर्देशों का पालन करने हेतु जागरूकता अभियान भी चलाया गया। डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इसी के तहत अब विश्वविद्यालय के आवासीय व सड़क किनारों पर अधिक से अधिक फूलों वाले पौधे लगाने का अभियान भी जारी है ताकि परिसर को सुंदर व हराभरा बनाया जा सके। इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एस.एस. सिद्धपुरिया, अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. आर.के. झोरड़, डॉ. राजवीर सिंह, लाइब्रेरियन डॉ. बलवान सिंह, कैंपस स्कूल के नियंत्रक अधिकारी डॉ. संजय ठकराल, मीडिया सलाहकार डॉ. आर.एस. ढिल्लो, डॉ. देवेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय की आवासीय कॉलोनी के स्थानीय निवासी व विभाग के कर्मचारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**16.10.2020**	——	--

एचएयू में मनाया गया स्वच्छता पखवाड़ा, फार्म कॉलोनी में किया पौधारोपण

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। पेड़ हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं जो हमारे जीवन का आधार हैं। इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और उनकी देखभाल की भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय की भू-दृष्य सरंचना इकाई की ओर से मनाए गए स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी क्षेत्र में किए गए पौधारोपण के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छ एवं विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना स्वच्छ भारत अभियान के तहत ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित किया जाना बहुत ही सराहनीय कदम है। छात्र कल्याण निदेशक एवं भू-दृश्य

हिसार। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत पौधारोपण करते विश्वविद्यालय के कुलपति समर सिंह व अन्य।

संरचना इकाई के नियंत्रक अधिकारी डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारियों का स्वागत किया व इस स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. एस.एस. सिद्धपुरिया, डॉ. आशा क्वात्रा, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. आर.के. झोरड़, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. बलवान सिंह, डॉ. संजय ठकराल, डॉ. आर.एस. ढिल्लो, डॉ. देवेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय की आवासीय कॉलोनी के स्थानीय निवासी व विभाग के कर्मचारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**16.10.2020**	——	--

एचएयू में मनाया गया स्वच्छता पखवाड़ा, फार्म कॉलोनी में किया पौधारोपण

पेड़ जीवन का आधार, अधिक से अधिक लगाएं : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। पेड़ हमें जीवनदायिनी आक्सीजन प्रदान करते है जो हमारे जीवन का आधार हैं। इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और उनकी देखभाल की भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय की भू-दृश्य सर्रचना इकाई की ओर से मनाए गए स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी क्षेत्र में किए गए पौधारोपण के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छ एवं विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की महत्वाकांक्षी योजना स्वच्छ भारत अभियान के तहत ऐसे कार्यक्रमों को

आयोजित किया जाना बहुत ही सराहनीय कदम है। छात्र कल्याण निदेशक एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के नियंत्रक अधिकारी डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारियों का स्वागत किया व इस स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

विश्वविद्यालय परिसर में चलाया जागरूकता अभियान

भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़ा को 1 से 15 अक्तूबर तक आयोजित किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर में व रिहायशी क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके तहत भूमि संरक्षण को ध्यान में रखते हुए रिहायसी क्षेत्र में उगे हुए हानिकारक खरपतवारों की सफाई की गई व लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इसी प्रकार कोरोना महामारी के चलते घर पर रहने, मास्क पहनने, सामाजिक दूरी का अनुपालन करने, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जाने से परहेज एवं अन्य सुरक्षा निर्देशों का पालन करने हेतु जागरूकता अभियान भी चलाया गया। डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इसी के तहत अब विश्वविद्यालय के आवासीय व सड़क किनारों पर अधिक से अधिक फूलों वाले पौधे लगाने का अभियान भी जारी है ताकि परिसर को सुंदर व हराभरा बनाया जा सके। इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एसएस सिद्धुरिया, अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. आरके झोरड़, डॉ. राजवीर सिंह, लाइब्रेरियन डॉ. बलवान सिंह, कैंपस स्कूल के नियंत्रक अधिकारी डॉ. संजय ठकराल, मीडिया सलाहकार डॉ. आरएस दिल्लो, डॉ. देवेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय की आवासीय कॉलोनी के स्थानीय निवासी व विभाग के कर्मचारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**16.10.2020**	——	--

पेड़ जीवन का आधार, अधिक से अधिक लगाएं : प्रो. समर सिंह

हकृवि में मनाया स्वच्छता पखवाड़ा, फार्म कॉलोनी में किया पौधारोपण

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। पेड़ हमें जीवनदायिनी आक्सीजन प्रदान करते हैं जो हमारे जीवन का आधार हैं। इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और उनकी देखभाल की भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय की भू-दृष्य सरंचना इकाई की ओर से मनाए गए स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी क्षेत्र में किए गए पौधारोपण के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छ एवं विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना स्वच्छ भारत अभियान के तहत ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित किया जाना बहुत ही सराहनीय कदम है। छात्र कल्याण निदेशक एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के नियंत्रक अधिकारी डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारियों का स्वागत किया व इस स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

विश्वविद्यालय परिसर में चलाया जागरूकता अभियान

भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़ा को 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक आयोजित किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर में व रिहायशी क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके तहत भूमि संरक्षण को ध्यान में रखते हुए रिहायसी क्षेत्र में उगे हुए हानिकारक खरपतवारों की सफाई की गई व लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इसी प्रकार कोरोना महामारी के चलते घर पर रहने, मास्क पहनने, सामाजिक दूरी का अनुपालन करने, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जाने से परहेज एवं अन्य सुरक्षा निर्देशों का पालन करने हेतु जागरूकता अभियान भी चलाया गया। डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इसी के तहत अब विश्वविद्यालय के आवासीय व सड? किनारों पर अधिक से अधिक फूलों वाले पौधे लगाने का अभियान भी जारी है ताकि परिसर को सुंदर व हराभरा बनाया जा सके। इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एस.एस. सिद्धपुरिया, अधिष्ठाता डॉ. आशा छात्रा, डॉ. बिमला छांडा, डॉ. आर.के. झोरड़, डॉ. राजवीर सिंह, लाइब्रेरियन डॉ. बलवान सिंह, कैंपस स्कूल के नियंत्रक अधिकारी डॉ. संजय ठकराल, मीडिया सलाहकार डॉ. आर.एस. विश्नोई, डॉ. देवेंद सिंह सहित विश्वविद्यालय की आवासीय कॉलोनी के स्थानीय निवासी व विभाग के कर्मचारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर, अमर उजाला.....

दिनांक 18.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....2, 5.....कॉलम.....3-4, 1-2

गोष्ठी में महिलाओं को दरांती, दस्ताने, पिकिंग बैग के बारे में ली जानकारी

सिटी रिपोर्टर • एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'महिला कृषक दिवस' के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का विषय 'महिलाओं का कृषि व्यवसाय में योगदान' रखा गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता व सहायक प्रोफेसर कविता दुआ की देखरेख में हुआ। गोष्ठी में महाविद्यालय की शिक्षिकाओं, छात्राओं व ग्रामीण महिलाओं ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। संचालिका डॉ कविता दुआ ने बताया कि महिलाओं की कृषि क्षेत्र में बहुत ही अहम भूमिका है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए विभाग की ओर से छात्राओं व ग्रामीण महिलाओं के माध्यम से अधिक से अधिक महिलाओं को प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में गांव नरवाना, रावलवास, तलवंडी रूक्का सहित विभिन्न गांवों की महिलाओं ने ऑनलाइन माध्यम से भागीदारी की। विभागाध्यक्ष डॉ मंजू मेहता ने कुछ तकनीकी संसाधनों व औजारों जैसे दरांती, दस्ताने, पिकिंग बैग आदि के बारे में जानकारी दी ताकि महिलाएं इनका प्रयोग कर अपनी उर्जा व समय की बचत कर सकें।

महिला कृषक दिवस : एचएयू की गोष्ठी में महिलाओं ने की ऑनलाइन भागीदारी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'महिला कृषक दिवस' के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का विषय 'महिलाओं का कृषि व्यवसाय में योगदान' रखा गया। इस कार्यक्रम में गांव नरवाना, रावलवास, तलवंडी रूक्का सहित विभिन्न गांवों की महिलाओं ने ऑनलाइन भागीदारी की। विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता ने कुछ तकनीकी संसाधनों व औजारों जैसे दरांती, दस्ताने, पीकिंग बैग आदि के बारे में जानकारी दी, ताकि महिलाएं इनका उपयोग कर अपनी ऊर्जा व समय की बचत कर सकें। डॉ. किरण सिंह ने महिला सशक्तीकरण पर जोर दिया और लघु उद्योग लगाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. बीनू सहगल ने सौर ऊर्जा उपकरणों के प्रयोग करने के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. जतेश कठपालिया, डॉ. पूनम, डॉ. सुनीता आहुजा, कनिका, निर्मला आर्या, सरोज बाला, मेघा, मोनिका राणा आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पंजाब केसरी, दैनिक भास्कर....

दिनांक 17.10.2020 पृष्ठ संख्या 2, 2 कॉलम 5-6, 1-2

हर क्षेत्र में स्वयं को स्थापित कर रही महिलाएं : डॉ. बिमला

■ एच.ए.यू. के गृह विज्ञान महाविद्यालय में मनाया गया 'महिला किसान दिवस'

निबंध प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों के फाइल फोटो।

हिसार, 16 अक्तूबर (ब्यूरो): एक समय था जब महिलाएं घर की 4 दीवारी में रहकर घरेलू कामों तक ही सीमित होती थी, परन्तु बदलते समय के साथ महिलाएं शिक्षित होकर अपने कौशल एवं सामर्थ्य के बलबूते हर क्षेत्र में स्वयं को स्थापित कर रही हैं। आज महिलाएं कृषि क्षेत्र में, चिकित्सा, फैशन डिजाइनिंग, बैंक, बिजनैस, शिक्षा, रक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में भी महिलाएं अग्रसर है तथा नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहे।

वे महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की ओर से 'महिला किसान दिवस' पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। कार्यकम का मुख्य विषय 'बदलते समय में महिलाओं की भूमिका' था। कार्यक्रम का संचालन विभाग की अध्यक्षा डॉ. नीलम एम. रोज की देखरेख में डॉ. सरोज यादव व डॉ. मोना वर्मा द्वारा किया गया। विभागाध्यक्षा डॉ. नीलम एम. रोज ने बताया कि प्रतिवर्ष 15 अक्तूबर को किसान महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है।

वहीं महिला किसान दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें गृह विज्ञान महाविद्यालय की बी.एससी. की 15 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। प्रतियोगिता में गीता रानी ने प्रथम, कामना ने द्वितीय एवं साक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एचएयू में महिला किसान दिवस पर निबंध स्पर्धा, गीता रही प्रथम

सिटी रिपोर्टर • एक समय था जब महिलाएं घर की चारदीवारी में रहकर घरेलू कामों तक ही सीमित होती थी। मगर बदलते समय के साथ महिलाएं शिक्षित होकर अपने कौशल एवं सामर्थ्य के बलबूते हर क्षेत्र में स्वयं को स्थापित कर रही हैं। आज महिलाएं कृषि के क्षेत्र में, चिकित्सा, फैशन डिजाइनिंग, बैंक, बिजनेस, शिक्षा, रक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में भी महिलाएं अग्रसर है तथा नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। यह विचार एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहे। जब वे कॉलेज के वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की तरफ से 'महिला किसान दिवस' पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी।

साक्षी गीता रानी कामना

निबंध स्पर्धा में गीता रानी विनर, कामना रही रनरअप

महिला किसान दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता में होम साइंस कॉलेज की बीएससी की 15 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में गीता रानी ने प्रथम, कामना ने द्वितीय एवं साक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डॉ. बिमला ढांडा ने सभी आयोजकों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 18.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....2.3.....

गोष्ठी में बताया महिलाओं का कृषि क्षेत्र में योगदान

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'महिला कृषक दिवस' के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसका विषय महिलाओं का कृषि व्यवसाय में योगदान रखा गया। गोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मंजू मेहता व सहायक प्रो. कविता दुआ की देखरेख में किया गया।

गोष्ठी में महाविद्यालय की शिक्षिकाओं, छात्राओं व ग्रामीण महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन रूप से गूगल मीट के माध्यम से किया गया।

डा. कविता दुआ ने बताया कि महिलाओं की कृषि क्षेत्र में बहुत ही अहम भूमिका है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए विभाग की ओर से छात्राओं व ग्रामीण महिलाओं के माध्यम से अधिक से अधिक महिलाओं को प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में गांव नरवाना, रावलवास, तलवंडी रूक्का सहित विभिन्न गांवों की महिलाओं ने ऑनलाइन माध्यम से भागीदारी की।

एचएयू का गेट • जागरण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......अमर उजाला.......

दिनांक 17.10.2020 पृष्ठ संख्या.....4..........कॉलम......7-8.........

ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता में गीता रानी प्रथम

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की ओर से 'महिला किसान दिवस' पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि एक समय था जब महिलाएं घर की चहारदीवारी में रहकर घरेलू कामों तक ही सीमित होती थीं। मगर बदलते समय के साथ महिलाएं शिक्षित होकर अपने कौशल एवं सामर्थ्य के बलबूते हर क्षेत्र में स्वयं को स्थापित कर रही हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम एम रोज ने कहा कि महिलाओं ने कठिनाइयों भरा एक लंबा सफर तय किया है और संघर्ष करके समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इस मौके पर एक ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में गीता रानी ने प्रथम, कामना ने द्वितीय एवं साक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**16.10.2020**	——	--

समस्त हरियाणा
शुक्रवार, 16 अक्टूबर, 2020

हर क्षेत्र में स्वयं को स्थापित कर रही महिलाएं : डॉ. बिमला ढांडा

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय में मनाया गया 'महिला किसान दिवस'

साक्षी गीता रानी कामना

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। एक समय था जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर घरेलू कामों तक ही सीमित होती थी। परन्तु बदलते समय के साथ महिलाएं शिक्षित होकर अपने कौशल एवं सामर्थ्य के बलबूते हर क्षेत्र में स्वयं को स्थापित कर रही हैं। आज महिलाएं कृषि के क्षेत्र में, चिकित्सा, फैशन डिजाइनिंग, बैंक, बिजनेस, शिक्षा, रक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में भी महिलाएं अग्रसर है तथा नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहे। वे महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की ओर से 'महिला किसान दिवस' पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी।

कार्यकम का मुख्य विषय 'बदलते समय में महिलाओं की भूमिका' था। कार्यक्रम का संचालन विभाग की अध्यक्षा डॉ. नीलम एम. रोज की देखरेख में डॉ. सरोज यादव व डॉ. मोना वर्मा द्वारा किया गया। विभागाध्यक्षा डॉ. नीलम एम. रोज ने बताया कि प्रतिवर्ष 15 अक्तुबर को किसान महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने कठिनाइयों भरा एक लम्बा सफर तय किया है और संघर्ष करके समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आज महिलाएं धैर्य और दृढ़ता के साथ सफलता के शिखर पर जा पहुंची हैं। उन्होंने बताया कि वस्त्र एवं परिधान विभाग से जुड़ कर महिलाएं निरन्तर रोजगार हासिल करने के साथ-साथ अपनी कला का प्रदर्शन कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि को आगे बढा रही हैं।

निबंध प्रतियोगिता में गीता रानी रही प्रथम

महिला किसान दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी की 15 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। प्रतियोगिता में गीता रानी ने प्रथम, कामना ने द्वितीय एवं साक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढ़ाडा ने सभी आयोजकों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**16.10.2020**	——	--

हर क्षेत्र में स्वयं को स्थापित कर रही महिलाएं : डॉ. बिमला ढांडा

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 16 अक्टूबर : एक समय था जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर घरेलू कामों तक ही सीमित होती थी। परन्तु बदलते समय के साथ महिलाएं शिक्षित होकर अपने कौशल एवं सामर्थ्य के बलबूते हर क्षेत्र में स्वयं को स्थापित कर रही हैं। आज महिलाएं कृषि के क्षेत्र में, चिकित्सा, फैशन डिजाइनिंग, बैंक, बिजनेस, शिक्षा, रक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में भी महिलाएं अग्रसर है तथा नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहे। वे महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की ओर से 'महिला किसान दिवस' पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। कार्यकम का मुख्य विषय 'बदलते समय में महिलाओं की भूमिका' था। कार्यक्रम का संचालन विभाग की अध्यक्षा डॉ. नीलम एम. रोज की देखरेख में डॉ. सरोज यादव व डॉ. मोना वर्मा द्वारा किया गया। विभागाध्यक्षा डॉ. नीलम एम. रोज ने बताया कि प्रतिवर्ष 15 अक्तुबर को किसान महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने कठिनाइयों भरा एक लम्बा सफर तय किया है और संघर्ष करके समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आज महिलाएं धैर्य और दृढ़ता के साथ सफलता के शिखर पर जा पहुंची हैं। उन्होंने बताया कि वस्त्र एवं परिधान विभाग से जुड़ कर महिलाएं निरन्तर रोजगार हासिल करने के साथ-साथ अपनी कला का प्रदर्शन कर राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि को आगे बढा रही हैं। महिला किसान दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी की 15 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। प्रतियोगिता में गीता रानी ने प्रथम, कामना ने द्वितीय एवं साक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढ़ाडा ने सभी आयोजकों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

साक्षी | गीता रानी | कामना

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**17.10.2020**	——	--

गृह विज्ञान महाविद्यालय में मनाया गया 'महिला किसान दिवस'

हर क्षेत्र में स्वयं को स्थापित कर रही महिलाएं : डॉ. बिमला ढांडा

पांच बजे न्यूज

हिसार। एक समय था जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर घरेलू कामों तक ही सीमित होती थी। परन्तु बदलते समय के साथ महिलाएं शिक्षित होकर अपने कौशल एवं सामर्थ्य के बलबूते हर क्षेत्र में स्वयं को स्थापित कर रही हैं। आज महिलाएं कृषि के क्षेत्र में, चिकित्सा, फैशन डिजाइनिंग, बैंक, बिजनेस, शिक्षा, रक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में भी महिलाएं अग्रसर है तथा नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहे। वे महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की ओर से 'महिला किसान दिवस' पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। कार्यकम का मुख्य विषय 'बदलते समय में महिलाओं की भूमिका' था। कार्यक्रम का संचालन विभाग की अध्यक्षा डॉ. नीलम एम. रोज की देखरेख में डॉ. सरोज यादव व डॉ. मोना वर्मा द्वारा किया गया। विभागाध्यक्षा डॉ. नीलम एम. रोज ने बताया कि प्रतिवर्ष 15 अक्तूबर को किसान महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने कठिनाइयों भरा एक लम्बा सफर तय किया है और संघर्ष करके समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आज महिलाएं धैर्य और दृढ़ता के साथ सफलता के शिखर पर जा पहुंची हैं। उन्होंने बताया कि वस्त्र एवं परिधान विभाग से जुड़ कर महिलाएं निरन्तर रोजगार हासिल करने के साथ-साथ अपनी कला का प्रदर्शन कर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि को आगे बढा रही हैं।

निबंध प्रतियोगिता में गीता रानी रही प्रथम

महिला किसान दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी की 15 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। प्रतियोगिता में गीता रानी ने प्रथम, कामना ने द्वितीय एवं साक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढ़ाडा ने सभी आयोजकों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**16.10.2020**	——	--

ऊनी कपड़े के खरीदने एवं रखरखाव के कुछ आसान तरीके

हिसार। कपड़े खरीदना आसान है, मगर उनके रखरखाव में सावधानी बरतने की जरूरत होती है। जरा सी गलती से महंगे और पसंदीदा आउटफिट्स खराब हो सकते हैं। जानिए ऊनी कपड़े के रखरखाव के कुछ आसान तरीके।

वुलन या निटेड कपड़े खरीदते समय सावधानी बरतने के तरीके

* वुलन या निटेड कपड़े खरीदते समय उस पर लिखे निर्देश जरूर पढ़ें, ताकि उसी हिसाब से उसकी सफाई व रखरखाव किया जा सके।
* माइल्ड डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें, कठोर साबुन या डिटर्जेंट से इनकी चमक और क्षमता को नुकसान हो सकता है।
* कई लोग स्वेटर्स, पुलोवर्स आदि को वॉशिंग मशीन में धोना पसंद नहीं करते। हाथ से धो रहे हो तो इनका अतिरिक्त पानी टॉवेल की मदद से निकालें। इन्हें निचोड़ें नहीं। इसके लिए स्वेटर को एक टॉवेल में रोल करें। धीर-धीरे स्क्वीज करें, यानी हलके-हलके दबाते हुए अतिरिक्त पानी निकालें। इसके बाद स्वेटर को फ्लैट जगह पर सुखाएं। इन्हें तार पर न सुखाएं, इससे इनका शेप खराब हो सकता है।
* मशीन में धोते हुए उसकी सेटिंग चेक करें। निट, वुलन या जेंटल बटन दबाएं। रेग्युलर सेटिंग पर कभी गर्म वुलन कपड़े न धोएं।
* पुराने जमाने में वुलन कपड़ों को वॉर्डरोब या बॉक्स में रखते हुए उनमें नीम की सूखी पत्तियां रखी जाती थीं। फिनाइल या नेप्थलीन बॉल्स को पतले मलमल के कपड़े में बांध कर भी रखा जा सकता है।
* इन्हें लंबे समय तक हैंग न करें, इससे ये ढीले हो सकते हैं या इनका

पाठक की से

शेप खराब हो सकता है।
* निटेड कपड़ों पर स्टीम आयरन का इस्तेमाल करें। उसे वुलन हीट पॉइंट पर सेट करें।
* गीले वुलन कपड़ों पर इस्तरी न करें, इससे इन्हें नुकसान होता है।
* इन्हें बॉक्स या वॉर्डरोब में स्टोर कर रहे हों तो वहां फ्लोराइड व सिलिको फ्लोराइड युक्त कीटाणुनाशक स्प्रे करें, इससे ये खराब नहीं होंगे और लंबे समय तक चलेंगे।
* मौसम बीतने के बाद कपड़ों को धो लें और अच्छी तरह सुखाने के बाद ही स्टोर करें।

ऊनी कपड़ों को कीड़ों से कैसे बचाएं-

* ऊनी कपड़े रखे जाने वाले बॉक्स में हल्का सा तारपीन का तेल लगा दें। फिर ऊनी वस्त्र रखें। इससे इनमें कीड़े नहीं लगेंगे।
* वुलन कपड़ों के बीच चन्दन का बुरादा कपड़े की छोटी-छोटी थैलियो में बंद करके रखने से कपड़ों में कीड़े भी नहीं लगेंगे साथ ही खुशबू भी बनी रहेगी।
* ऊनी कपड़ों के बीच कपड़े की छोटी सी पोटली में कपूर बांधकर रखने से कीड़े नहीं लगते।
* ऊनी गर्म कपड़ों के बीच नीम की पत्तियां रखने से कपड़ों का कीड़े से बचाव हो जाता है। नीम की पत्तिया संदूक में कपड़ों के नीचे भी बिछा देनी चाहिए।
* ऊनी कपड़ों को बरसाती हवा व कीड़ों-मकोड़ों से बचाने के लिए फिटकरी पीसकर उन पर बुरक दे व संदूक बंद कर दें।
* ऊनी और गरम कपड़े काफी डेलिकेट होते हैं। ऐसे में उन्हें पहनने या स्टोर करते समय उनकी केयर करना एक बड़ी चुनौती होती है।
* ऊनी कपड़ों की देखभाल के कुछ आसान तरीके

नमी वाले स्थान पर न रखें, ठंड में ऊनी कपड़े को रोज ही पहनना और उतारना पड़ता है। इन्हें उतारने के बाद उस स्थान पर रखें जहां नमी कम है। खासकर बाथरूम में तो इन्हें बिल्कुल नहीं रखें। इन्हें ऐसे स्थान पर रखें, जहां हवा की निकासी की अच्छी व्यवस्था हो। इससे उनमें फंगस नहीं होगी और बदबू भी नहीं आएगी।

* लिक्विड डिटरजेंट से ही वॉश करें, ऊनी कपड़ों को वॉश करने के लिए लिक्विड डिटरजेंट का ही इस्तेमाल करना चाहिए। लिक्विड डिटरजेंट में बहुत ही सॉफ्ट केमिकल होते हैं जो ऊनी कपड़ों के लिए सूटेबल होते हैं। इनकी धुलाई डिटरजेंट पाउडर से नहीं करें। ऊनी कपड़ों को खासकर स्वेटर्स को हाथ से या बहुत ही सॉफ्ट मुलायम ब्रश से ही साथ साफ करें। वॉशिंग मशीन में नहीं धोएं।
* कपड़ों को बीच-बीच में धूप खिलाते रहें, ठंड के मौसम में अक्सर नमी रहती है। नमी के कारण ऊनी कपड़ों में फंगस लग जाती है जो कई बार ऊपर से दिखाई भी नहीं देती। ये फंगस हेल्थ के लिए नुकसानदायक हो सकती है। इसलिए ऊनी कपड़ों में फंगस न लगे, इसके लिए उन्हें बीच-बीच में धूप भी खिलाते रहें।
* गरम पानी का यूज नहीं करें, ऊनी कपड़े बहुत सॉफ्ट होते हैं। ऐसे में उन्हें बहुत गरम पानी में नहीं धोएं। इससे वे सिकुड़ सकते हैं या रोएं उठ सकते हैं। उन्हें ठंडे पानी से ही धोना चाहिए। अगर ऊनी कपड़े ज्यादा ही गंदे हो गए हैं तो फिर बहुत ही हल्के गुनगुने पानी का यूज किया जा सकता है।
* दाग पड़ जाए तो यह करें, अगर ऊनी कपड़े पर चाय का दाग लग जाए तो सबसे पहले पानी को हल्का गुनगुना कीजिए। ध्यान रखें, इसे बहुत ज्यादा गर्म नहीं करना है, अन्यथा ऊनी कपड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। अब इस गुनगुने पानी में थोड़ा-सा स्पिरिट मिला लें। इस स्पिरिट वाले गुनगुने पानी से ऊनी कपड़े को धोएं।
* सामान्य ऑयरन का यूज न करें, ऊनी कपड़े पर प्रेस करते समय सामान्य ऑयरन का यूज बिल्कुल नहीं करें। इससे लिए हमेशा स्टीम ऑयरन का ही यूज करना चाहिए। अगर सामान्य ऑयरन यूज करनी भी है तो ऊनी कपड़े के ऊपर कॉटन का एक पतला कपड़ा रख लीजिए। अब इसके ऊपर से प्रेस कीजिए।
* बॉक्स को धूप खिलाकर ही करें स्टोर, ऊनी कपड़ों को जिस भी बॉक्स में स्टोर करके रखना चाहते हैं, पहले उसे अच्छी तरह से साफ कर लीजिए। अब उसे धूप खिला लें। फिर बाक्स में नीम की सूखी पत्तियां बिछाकर उन पर अखबार रख दें। इससे ऊनी कपड़ों पर नमी नहीं रहेगी।

डॉ. नीलम सैनी
इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय,
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार- 125004

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी, दैनिक भास्कर.....

दिनांक 17.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....2, 2.....कॉलम.....5.6, 7.8.....

डी-कम्पोज तकनीक से दिया जाएगा पराली अवशेष प्रबन्धन का प्रशिक्षण

हिसार, 16 अक्तूबर (ब्यूरो): कृषि एवं किसान कल्याण विभाग एवं चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक जिले के विभिन्न गांवों के किसानों को डी-कम्पोज तकनीक द्वारा पराली अवशेष प्रबंधन का प्रशिक्षण देंगे।

उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी ने बताया कि बीड़ बबरान, लाडवा, मिर्जापुर, चमारखेड़ा, राजली, घिराय एवं सातरोड आदि गांवों के खेतों में डी-कम्पोज तकनीक का फील्ड प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान डी-कम्पोज टैक्नोलॉजी के तहत 9 गांवों में वैज्ञानिकों की टीम की सहायता से खेतों में पराली पर छिड़काव करके काफी कम समय में खाद तैयार किया जा सकता है। धान के अवशेषों पर स्प्रे करवाने के बाद इसे मिट्टी में मिलाकर गेहूं की बिजाई की जाएगी। इसके लिए किसान को बिजाई से 10 दिन पूर्व विभाग को सूचना देनी होगी।

सहायक कृषि अभियंता गोपी राम ने बताया कि इस तकनीक से अवशेषों को जल्दी गलाकर खाद बनाने में सहायता मिलेगी तथा जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी।

इस कार्य में सहयोग के लिए माइक्रो बायोलॉजी विभाग के एच.ओ.डी. डॉ. राजेश गैरा, सहायक कृषि अभियंता डॉ. बलजीत सहारण एवं इंजिनियर योगेश जाखड़ सहयोग करेंगे।

किसानों को डी-कम्पोजर तकनीक से दिया जाएगा पराली अवशेष प्रबंधन का प्रशिक्षणः डीसी प्रियंका

हिसार| कृषि एवं किसान कल्याण विभाग एवं चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक जिले के विभिन्न गांवों के किसानों को डी-कम्पोजर तकनीक द्वारा पराली अवशेष प्रबंधन का प्रशिक्षण देंगे। उपायुक्त ने बताया कि बीड़ बबरान, लाडवा, मिर्जापुर, चमारखेड़ा, राजली, घिराय एवं सातरोड आदि गांवों के खेतों में डी-कम्पोजर तकनीक का फिल्ड प्रशिक्षण दिया जाएगा। फिल्ड प्रशिक्षण का कार्य अधिकतम 1 एकड़ में होगा। प्रशिक्षण के दौरान डी-कम्पोजर टेक्नोलॉजी के तहत 9 गांवों में वैज्ञानिकों की टीम की सहायता से खेतों में पराली पर छिड़काव करके काफी कम समय में खाद तैयार किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 17.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....4.....

डी-कंपोजर तकनीक से देंगे पराली अवशेष प्रबंधन का प्रशिक्षण

जागरण संवाददाता, हिसार : कृषि एवं किसान कल्याण विभाग एवं चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के विज्ञानी जिले के विभिन्न गांवों के किसानों को डी-कम्पोजर तकनीक द्वारा पराली अवशेष प्रबंधन का प्रशिक्षण देंगे।

उपायुक्त डा. प्रियंका सोनी ने बताया कि बीड़ बबरान, लाडवा, मिर्जापुर, चमारखेड़ा, राजली, घिराय एवं सातरोड़ आदि गांवों के खेतों में डी-कम्पोजर तकनीक का फील्ड प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह कार्य अधिकतम 1 एकड़ में होगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान डी-कम्पोजर टेक्नोलॉजी के तहत 9 गांवों में विज्ञानियों की टीम की सहायता से खेतों में पराली पर छिड़काव कर काफी कम समय में खाद तैयार किया जा सकता है। धान के अवशेषों पर स्प्रे करवाने के बाद इसे मिट्टी में मिलाकर गेहूं की बिजाई की जाएगी। इसके लिए किसान को बिजाई से 10 दिन पूर्व विभाग को सूचना देनी होगी।

सहायक कृषि अभियंता गोपी राम ने बताया कि इस तकनीक से अवशेषों को जल्दी गलाकर खाद बनाने में सहायता मिलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर, अमर उजाला.....

दिनांक 18.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....2, 2.....कॉलम.....8, 1-2.....

एचएयू अनुसूचित जाति व जनजाति कर्मचारी संघ की बैठक 21 को

हिसार| चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अनुसूचित जाति एवं जनजाति कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी की बैठक प्रधान श्रवण निरोल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। महासचिव सुरेंद्र राणा ने बताया कि बैठक में कार्यकारिणी का कार्यकाल पूरा होने के चलते 21 अक्तूबर को दोपहर बाद 3:30 बजे संघ कार्यालय में आम सभा बुलाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि सभा में संगठन की कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी बैठक में मास्क लगा कर आएं व सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों की पालना करें।

एससी/एसटी कर्मचारी संघ की सभा 21 को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) अनुसूचित जाति-जनजाति कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी की बैठक शनिवार को प्रधान श्रवण निरोल की अध्यक्षता में हुई। महासचिव सुरेंद्र राणा ने बताया कि बैठक में 21 अक्तूबर को 3:30 बजे संघ कार्यालय में आमसभा बुलाने का निर्णय लिया गया।